

## त्रशूर पूरम

**स्रोत: द हट्टि**

हाल के एक फैसले में केरल **उच्च नयायालय** ने **त्रशूर पूरम उत्सव** के दौरान हाथियों एवं कलाकारों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिये नरिदेश जारी किये हैं।

- त्रशूर पूरम केरल के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सार का एक भव्य उत्सव है।
- मलयालम महीने मेडम (अप्रैल-मई) में मनाया जाने वाला पूरम, त्रशूर के थेक्ककिडु मैदान में आयोजित किया जाता है और इसे सभीपूरम (वार्षिक त्योहार) की जननी माना जाता है।
- इसकी शुरुआत कोचीन के महाराजा (1790-1805) सक्थन थंपुरन के नाम से मशहूर राजा राम वर्मा ने 10 अलग-अलग मंदिरों की भागीदारी के साथ की थी।
- पारंपरिक पोशाक और पारंपरिक ऑर्केस्ट्रा संगीत से सजे राजसी हाथी उत्सव का हिस्सा हैं।
- त्रशूर पूरम से पहले अराट्टुपुझा पूरम केरल का सबसे बड़ा त्योहार था।



और पढ़ें: [त्रशूर पूरम](#)